सूचना का अधिकार अधिनियम का प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

(इलाहाबाद जनपद के 120 उत्तर दाताओं पर आधारित अध्ययन)

डॉ0 अरविन्द कुमार मिश्र

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 में पारित हुआ था यह अध्ययन 2017 का है एक दशक से अधिक समय हो जाने के बावजूद सतप्रशित उत्तरदाताओं का इससे परिचित होना स्वाभाविक है। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के जागरूकता और उपयोग पर केन्द्रित है। यह जानने का प्रयास किया गया है कि एक दशक से अधिक पुराने इस अधिनियम में लोगों की जागरूकता कितनी है, इसका उपयोग कैसा हो रहा है, इसकी कठिनाई क्या है। यह जानने के लिए सूचना का अधिनियम 2005 से अवधारणात्मक समझ कायम की गयी है। द्वैतीयक स्रोतों के रूप में इसके साथ–साथ कुछ पत्र–पत्रिकाओं का उपयोग किया गया है। क्षेत्र कार्य पर आधारित यह अध्ययन प्रश्नावली के माध्यम से किया गया है और इसमें पूर्व गामी सर्वेक्षण से प्रश्नावली को संबोधित भी किया गया है।